सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

पो.रजि. नं. आरजे/एजे/211/2025-27

PRGI. No. RAJBIL/2023/88629

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 3 | अंक 6 | अजमेर, बुधवार 10 सितम्बर 2025 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन होंगे देश के नए उप राष्ट्रपति

नई दिल्ली। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन देश के नए उप राष्ट्रपति चुने गए हैं। उन्होंने उप राष्ट्रपति के पद के चुनाव के लिए मंगलवार को हुए मतदान में विपक्षी इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को प्रथम वरीयता मतों की गिनती के आधार पर 152 मतों के बड़े अंतर से हराया। निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी ने राधाकृष्ण के निर्वाचित होने की घोषणा करते हुए बताया कि इस चुनाव में निर्वाचक मंडल के कुल 781 सदस्यों में से 767 ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया जो कुल मतों का 98.2 प्रतिशत है। मतगणना में वैध पाए गए 752 मतों में से राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 मत और रेड्डी को 300 मत मिले। पंद्रह मत अवैध पाए गए जिनमें डाक से प्राप्त हुआ एक मात्र मत भी शामिल था। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद कराए गए उपराष्ट्रपति पद के इस चुनाव के लिए अधिसूचना 7 अगस्त को जारी की गई थी और मतदान मंगलवार सुबह दस बजे से उपांच बजे तक नए संसद भवन में कराया गया। दोनों उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मतगणना शाम छह बजे शुरू हुई और करीब डेढ़ घंटे बाद परिणाम घोषित कर दिया गया।उप राष्ट्रपति चुनाव के निर्वाचक मंडल में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य होते हैं। इस चुनाव में निर्वाचक मंडल के सदस्यों की कुल संख्या 781 थी जिनमें लोकसभा के 442 और राज्यसभा के 239 सदस्य हैं। जीत के लिए प्रथम वरीयता के 377 मतों की जरूरत थी। राधाकृणन को प्रथम वरीयता के 452 मत मिले जो दोनों सदनों में राजग सदस्यों की कुल संख्या से अधिक हैं। बीजू जनता दल भारत राष्ट्र समिति तथा शिरोमणि अकाली दल ने पहले ही मतदान में शामिल नहीं होने की घोषणा कर दी थी। राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राधाकृष्ण को जीत की बधाई दी है। रेड्डी ने भी उन्हें जीत की बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

कौन हैं राधाकृष्णन

राधाकृष्णन इस समय महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक सामान्य कार्यकर्ता से उठ कर देश के दूसरे सर्वाच्च संवैधानिक पर पहुंचे राधाकृष्णन तमिलनाडु की राजनीति में एक सम्मानित नाम हैं। उनका सार्वजनिक जीवन में पांच दशक से अधिक का लम्बा अनुभव है और दक्षिण में भारतीय जनता पार्टी का ध्वज लहराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।4 मई 1957 को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक हैं। उन्होंने सार्वजनिक जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस के स्वयंसेवक के रूप में शुरु किया और सन 1974 में भारतीय जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी के सदस्य बने।उन्हें 1996 में तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी का सचिव नियुक्त किया गया। वे 1998 में कोयंबटूर से पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए तथा 1999 में वह पुनः लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए। वह झारखंड के राज्यपाल भी रहे हैं।

सुदर्शन रेड्डी ने हार स्वीकारी विपक्षी दलों के नेताओं का जताया आभार

उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी दलों के उम्मीदवार पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी ने अपनी हार स्वीकार कर ली है और उन्हें समर्थन देने वाले तमाम बड़े नेताओं का आभार जताया। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद उनके उत्तराधिकारी के लिए चुनाव मंगलवार को संपन्न हुआ।चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद न्यायमूर्ति रेड्डी ने अपने खुले खत में लिखा कि सांसदों ने भारत के उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में अपना फैसला सुना दिया है। मैं अपने महान गणराज्य की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में अटूट विश्वास के साथ इस परिणाम को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं। यह यात्रा मेरे लिए एक गहन सम्मान की बात रही है जिसने मुझे उन मूल्यों के लिए खड़े होने का अवसर दिया है जिन्होंने मेरे जीवन का मार्गदर्शन किया है.संवैधानिक नैतिकता, न्याय और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा।

उन्होंने आगे कहा कि हालांकि परिणाम मेरे पक्ष में नहीं है फिर भी जिस व्यापक उद्देश्य को हमने सामूहिक रूप से आगे बढ़ाने का प्रयास किया है वह कम नहीं हुआ है। वैचारिक संघर्ष और भी ज़ोरदार तरीके से जारी है। मैं विपक्षी दलों के उन नेताओं का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझे अपना संयुक्त उम्मीदवार बनाया। हमारा लोकतंत्र केवल जीत से ही नहीं बल्कि संवाद असहमति और सहभागिता की भावना से भी मजबूत होता है। एक नागरिक के रूप में मैं समानता बंधुत्व और स्वतंत्रता के उन आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हूं जो हमें एक साथ बांधते हैं। हमारा संविधान हमारे राष्ट्रीय जीवन का मार्गदर्शक बना रहे। मैं नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को उनके कार्यकाल की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

नेपाल में बड़े पैमाने पर उग्र प्रदर्शन, प्रधानमंत्री ओली का इस्तीफा

काठमांडू। नेपाल में बड़े पैमाने पर हो रहे उग्र प्रदर्शनों को देखते हुए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने मंगलवार को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। नेपाली मीडिया के अनुसार प्रधानमंत्री कार्यालय ने उनके त्यागपत्र की पुष्टि की है। देश में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के खिलाफसोमवार को कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। प्रदर्शनकारी कई स्थानों पर उग्र हो गए और उन्होंने आगजनी तोड़फोड और पथराव किया। पुलिस की कार्रवाई में कल 20 लोगों की मौत हो गई थी और 350 लोग घायल हो गए थे। इससे पहले गृहमंत्री रमेश लेखक ने सोमवार को गोलीबारी की घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था। इसके अलावा तीन और मंत्रियों ने आज पद से इस्तीफा दे दिया था।

ओली ने मंगलवार सुबह घोषणा की थी कि शाम को सर्वदलीय बैठक बुलाई जाएगी। प्रदर्शनकारी ओली के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए थे।इसके बाद ओली ने इस्तीफा दे दिया। प्रदर्शन का सिलसिला अब भी जारी है और बड़ी संख्या में लोग संसद भवन में घुस गए और आगजनी की।प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के निजी आवासों को भी निशाना बनाया और आगजनी की।

कई नेताओं के घरों में तोड़फोड़ और आगजनी

नेपाल में सोशल मीडिया को बंद करने के खिलाफकल से शुरू हुए प्रदर्शनों का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा और कई नेताओं के घरों पर पथराव और आगजनी की घटनाएं हुई हैं। सोमवार को प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई में 20 लोगों की मौत हो गई थी और साढ़े तीन सौ लोग घायल हुए थे। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के बोहोराटार स्थित आवास में जबरन घुस गए और वहां जमकर तोड़फोड की। प्रधानमंत्री ओली के बालाकोट स्थित आवास में आगजनी की सूचना है। केंद्र में कई मंत्रियों नेताओं ने अपने पदों से इस्तीफे दिए हैं। इनमें कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी गृहमंत्री रमेश लेखक स्वास्थ्य मंत्री प्रदीप पौडेल जल संसाधन मंत्री प्रदीप यादव और मधेश प्रांत के मुख्यमंत्री सतीश कुमार सिंह के नाम प्रमुख हैं।इसके अलावाए प्रदर्शनकारियों ने नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी ;माओवादी सेंटर के अध्यक्ष और मुख्य विपक्षी नेता पुष्प कमल दहल के खुमालतार स्थित आवास पर भी पथराव किया। प्रदर्शनकारियों ने ललितपुर में संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के घर में आग लगा दी। उन्होंने उप प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री बिष्णु पौडेल के भैसपति स्थित आवास पर भी पथराव किया। पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक के घर पर भी हमला किया गया। प्रदर्शनकारी पूर्व प्रधानमंत्री और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के बुधनीलकांठा स्थित आवास तक पहुंच गए लेकिन हमला करने से पहले ही उन्हें रोक दिया गया।

एयर इंडिया शुरू करेगी दिल्ली .जैसलमेर उड़ान

जैसलमेर/नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया इस साल अक्टूबर में दिल्ली और जैसलमेर के बीच उड़ानें शुरू करेगी। एयरलाइंस ने मंगलवार को बताया कि 26 अक्टूबर 2025 से 28 मार्च 2026 तक दोनों शहरों के बीच रोजाना दो सीधी उड़ानें होंगी। दिल्ली से पहली उड़ान सुबह 8. 50 बजे और दूसरी दोपहर 2. 20 बजे रवाना होगी। वापसी की उड़ानें सुबह 10.55 बजे और शाम 4. 25 बजे उपलब्ध होंगी।कंपनी इस मार्ग पर एयरबस के ए 320 विमानों का संचालन करेगी। उसने बताया कि मौसमी मांग को देखते हुये विंटर शिड्यूल में इस मार्ग पर उड़ान शुरू की जा रही है। एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा कि यह मौसमी सेवा सांस्कृतिक पर्यटन की बढ़ती मांग को पूरा करने के साथ देश की विरासत तक लोगों का पहुंचना आसान बनाने की एयर इंडिया की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।एयरलाइंस की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि देश के दूसरे शहरों और यूरोप से आने वाले पर्यटकों को अब दिल्ली होकर जैसलमेर जाने के लिए आसान विकल्प मिलेगा।

वियतनाम की टिकट बुकिंग पर 99 प्रतिशत छूट देगी वियतजेट

नई दिल्ली। वियतनाम की विमान सेवा कंपनी वियतजेट ने सोमवार रात से मंगलवार रात तक विशेष शहरों के लिए टिकट बुक कराने पर 99 प्रतिशत तक की छूट की घोषणा की है। एयरलाइंस ने सोमवार को बताया कि 99 फ्लैश सेल के तहत दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, कोच्चि, हैदराबाद और बेंगलूरु से वियतनाम के हनोई हो ची मिन्ह सिटी और दा नांग शहरों की उड़ानों पर 99 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी।यात्री भारतीय समय के अनुसार 8 सितंबर रात 10.30 बजे से 9 सितंबर रात 9. 30 बजे तक एयरलाइंस की वेबसाइट या वियतजेट एयर मोबाइल ऐप पर बुकिंग करते समय अंग्रेजी में प्रोमो कोड सुपरसेल 99 डालकर इकोनॉमी क्लास की टिकट पर 99 प्रतिशत तक की छूट ;कर एवं अन्य शुल्क को छोड़कर का लाभ उठा सकते हैं। यह ऑफर 1 अक्टूबर 2025 से 27 मई 2026 के बीच की यात्रा के लिए उपलब्ध होगा।इसके अलावा 10 सितंबर से 23 सितंबर 2025 के बीच भारत.वियतनाम उड़ानों के लिए इकोनॉमी क्लास की टिकट बुक करने वाले यात्रियों को 20 किलोग्राम मुफ्त चेक.इन बैगेज का विकल्प मिलेगा बशर्ते उनकी यात्रा की तिथि 5 नवंबर से 30 नवंबर 2025 के बीच होनी चाहिए। ऐसे यात्री बुकिंग के समय 20 किलोग्राम का विकल्प चुनना होगा। यह बैगेज ऑफर वियतनाम से आने.जाने वाली अन्य अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों पर भी लागू होगा।

सम्पादकीय

राधाकृष्णन से संसदीय परंपराओं की उम्मीद

1999 के आम चुनावों के बाद तमिलनाडु से चुनकर आए युवा सांसद को उसकी पार्टी की ओर से राजधानी दिल्ली में बने रहने की ताकीद की गई थी ऐसी ताकीद का मतलब होता है या तो संसद की महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है और उसमें सांसद का रहना जरूरी है या फिर मंत्रिमंडल का गठन और फेरबदल होने वाला है हो सकता है कि उसका नाम मंत्री बनने की सूची में शामिल हो और उसे अचानक राष्ट्रपति भवन से बुलावा आ जाए। चूंकि लोकसभा के चुनाव जल्द ही हुए थे लिहाजा उम्मीद थी कि वह सांसद भी मंत्री बनने वाली लिस्ट में शामिल है। लेकिन उसे बुलावा नहीं आया। बाद में पता चला कि नाम को लेकर भ्रम होने की वजह से उसकी तरह मिलते.जुलते नाम वाले सांसद को बुलावा मिल गया और वह युवा सांसद मंत्री बनने से रह गया था। इस घटना के बाद ढाई दशक की देर भले हुई लेकिन उसे मंत्रिमंडल में भले ही जगह नहीं मिली लेकिन अब वह देश का उपराष्ट्रपति बनने जा रहा है। जी हां ठीक समझा आपने सीपी राधाकृष्णन की जिंदगी से जुड़ी यह घटना है। तब वाजपेयी सरकार में उनकी जगह पी राधाकृष्णन को बुलावा मिल गया और वे मंत्री बन गए थे। पी राधाकृष्णन भी उस बार तमिलनाडु से चुने गए बीजेपी के चार सांसदों में से एक थे।सीपी राधाकृष्णन के साथ अब तक दो तरह के संयोग ज्ञात थे। वे प्रधानमंत्री मोदी की तरह दाढ़ी रखते हैं और उन्हें तमिलनाडु का मोदी कहा जाता है। दूसरा संयोग यह है कि देश के सर्वोच्च पद पर आसीन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड की राज्यपाल रही हैं अब उपराष्ट्रपति बनने जा रहे राधाकृष्णन भी झारखंड के राज्यपाल रहे हैं। यानी अब देश के दो सर्वोच्च पदों पर झारखंड के दो पूर्व राज्यपाल होंगे। इन संदर्भों में देखें तो झारखंड दोनों के लिए शुभ रहा। जब भारतीय जनता पार्टी ने सीपी राधाकृष्णन का नाम उपराष्ट्रपति पद के लिए घोषित किया उसके कुछ वक्त बात उनकी मां जानकी अम्माल ने बताया कि उन्होंने सीपी राधाकृष्णन का नाम देश के पहले उपराष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के नाम पर रखा था। इसे संयोग ही कहेंगे कि सर्वपल्ली के बाद सीपी राधाकृष्णन भी देश के उपराष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। वैसे तमिलनाडु राज्य से उपराष्ट्रपति बनने वाली तीसरी शख्सियत होंगे।कोयंबटूर के धमाके की चर्चा अरसे तक भारतीय राजनीति में सुनाई देती रही है। कट्टरपंथी संगठन अल्ल उम्माह ने 14 फरवरी 1998 को कोयंबटूर में ग्यारह जगहों पर बारह धमाके किए थे जिसमें 58 लोग मारे गए और दो सौ से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इन धमाकों के निशाने पर बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी जो सीपी राधाकृष्णन के चुनाव प्रचार के लिए वहां गये थे। सीपी तभी से राष्ट्रीय राजनीति में चर्चा में आ गए। तब अन्नाद्रमुक पार्टी से बीजेपी का राज्य में गठबंधन था जिसकी वजह से कोयंबटूर लोकसभा सीट से उन्हें भारी मतों में जीत मिली। अगले साल एक वोट से वाजपेयी सरकार के गिरने के बाद जब आम चुनाव हुए तो बीजेपी ने फिर से सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाया। इस बार बीजेपी का उसी द्रमुक से समझौता थाए जो इन दिनों भाषा नई शिक्षा नीति और मतदाता सूची में गहन पुनरीक्षण को लेकर बीजेपी पर हमलावर है। उस चुनाव में भी सीपी राधाकृष्णन को जीत मिली। लेकिन उसके बाद सीपी से जीत लगातार दूर रही। 2004 और 2014 एवं 2019 की प्रचंड मोदी लहर में भी उन्हें हार मिली। जबकि 2009 में उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा था। राधाकृष्णन को तमिलनाडु का मोदी क्यों कहा जाता है इसकी भी एक कहानी है। साल 2013 में जब नरेंद्र मोदी को बीजेपी ने अगले आम चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद का दावेदार घोषित किया तो उन्हें तमिल टीवी चैनलों पर बहस के लिए बुलाया जाने लगा।

इसी एक बहस के दौरान उन्होंने बीजेपी का पक्ष जोरदार तरीके से रखा। उनकी बहस को देख.सुन रहे दर्शकों ने उन्हें तमिलनाडु का मोदी कहना शुरू कर दिया। देखते ही देखते तमिल चैनल भी उन्हें तमिलनाडु का मोदी कहकर बुलाने लगे। वैसे उन्हें तमिलनाडु में सीपीआर के नाम से ज्यादा जाना जाता है जबकि उत्तर भारत के उनके नजदीकी सर्किल में वे राधाजी के नाम से प्रसिद्ध हैं। नरेंद्र मोदी एक दौर में अटल.आडवाणी की जोड़ी के चहेते रहे हैं। वैसे तमिलनाडु में उनकी छवि कुछ.कुछ अटल बिहारी वाजपेयी की तरह है। उनके बेटे और बेटी की शादी में कई दलों में फैली तमिल राजनीति के नेताओं की भीड़ देखते ही बनती थी। उनके हर दल के नेता से बेहतर संबंध रहे हैं। हालांकि एक दौर में अन्नाद्रमुक से उनकी ज्यादा नजदीकी रही। उनकी दोस्ती हर दल में है। शायद यही वजह है कि राज्य के सत्ताधारी द्रमुक पर दबाव बढ़ गया है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन से अलग होकर तमिल अस्मिता के नाम पर सीपीआर का समर्थन करे। लोकसभा में द्रमुक के 22 और राज्यसभा में दस सांसद हैं। अगर ऐसा होता है तो सीपीआर की जीत बड़ी हो सकती है। हालांकि द्रमुक के कई नेता उनके खिलाफतो नहींए अलबत्ता बीजेपी के खिलाफबयान जरूर दे रहे हैं। माना जा रहा है कि बीजेपी ने सीपीआर को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार अगले साल तमिलनाडु में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को देखते हुए बनाया है। उत्तर भारत की तरह तमिल राजनीति भी जातीय खांचे में बंटी हुई है। सीपीआर अन्य पिछड़ा वर्ग की कौंडर जाति से आते हैं। जनसंख्या के लिहाज से इस जाति का दबदबा भले ही न होए लेकिन वह राज्य में बीजेपी का मजबूत आधार वोट बैंक है।बीजेपी उन्हें उम्मीदवार बनाकर राज्य को यह संदेश देने की कोशिश में है कि वही ऐसा दल हैए जो राष्ट्रीय स्तर पर उसके प्रतिनिधि को महत्व दे सकता है।

राजस्थान बोर्डर पर भी कांग्रेस का गुजरात की तरह भाजपा का पोषण करने वाला मॉडल!

सिरोही। राहुल गांधी का 2024 का गुजरात के गांधीनगर का दौरा याद होगा। इसमें राहुल गांधी ने जो कहा उससे राष्ट्रीय स्तर तक कांग्रेस में हड़कंप मच गया था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के आधे लोग भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। ऐसे नेताओं और कार्यकर्ताओं को छांटने की जरूरत है। राहुल गांधी ने जो गुजरात में महसूस किया क्या उस व्याधि से राजस्थान गुजरात सीमा स्थित सिरोही जिले के कई स्थानों में काम कर रहा है भ्रष्टाचार और फेल गवर्नेंस पर कई ब्लॉक ग्रामीण व नगर कांग्रेस और नगर निकाय क्षेत्र के कांग्रेस पदाधिकारियों की चुप्पी तो कुछ ऐसा ही इशारा दे रही है। यहां कांग्रेस संगठन की लगाम या तो सिरोही में रही या जयपुर में। ब्लॉकों और नगरों में पद संभाले नेताओं को भाजपा राज के भ्रष्टाचार और अव्यवस्था पर चुप्पी की राहुल गांधी द्वारा बताई दो वजह ही हो सकती हैं वो ये कि इन नगर अध्यक्षों और ब्लॉक अध्यक्षों को कांग्रेस की विचारधारा पर अमल करने से इनके जिला मुख्यालय और जयपुर स्थिति गॉडफादर रोक रहे हैं या फिर ये खुद ही भाजपा की गोद में बैठ कर जनहित की बजाय सत्ता में अपने हित के लिए भागीदारी कर रहे हैं।

कांग्रेस संगठन का अघोषित समर्थन तो नहीं:-सिरोही जिले में आबूरोड एकमात्र नगर पालिका होगी जहां पर भाजपा ने लगातार दो बार निष्कंटक बोर्ड पर काबिज हुई। यूं पिंडवाड़ा नगर पालिका भी भाजपा ही रही लेकिन वहां भाजपा के आधिकारिक पालिकाध्यक्ष को भ्रष्टाचार के मामले में हमेशा अपनी ही पार्टी के समर्थकों द्वारा कांग्रेस हटाने में कामयाब रही। कांग्रेस आबूरोड नगर संगठन और नगर पालिका आबूरोड में कांग्रेस के प्रतिनिधि ने जिस

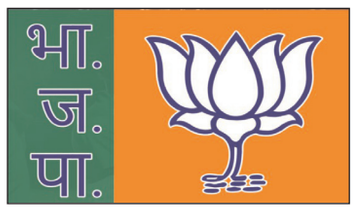

तरह से मौन धारण करके इस बोर्ड को भी क्लीनचिट दी हुई है उससे अगला बोर्ड भी यहां भाजपा का ही बनता दिख रहा है।यहां के कांग्रेस पार्षद अपनी जाति सम्प्रदाय के कारण नगर पालिका में जीतकर लगातार पहुंच जरूर रहे हैं लेकिन शहर में इनकी जननेताओं की तरह मान्यता आज भी नहीं है। कांग्रेस नगर संगठन और नगर पालिका में कांग्रेस के दोनों गुटों के पार्षद कागजबाजी जरूर की लेकिन उन्हीं मुद्दों पर नगर पालिका प्रशासन द्वारा कथित रूप से ठगे जाने के बाद भी कभी आंदोलन की राह अपनाती नहीं दिखी।यहां आम नागरिकों के अलावा भाजपा और कांग्रेस से जुड़े लोगों में भी ये स्पष्ट धारणा है कि यहां की कांग्रेस भाजपा की गोद में बैठी है इसलिए आबूरोड के हालातों में कोई सुधार नहीं होने वाला और न ही नगर पालिका में भाजपा का और नगर की कांग्रेस का गठबंधन ये होने देगा।

मंचों से खडे होकर जिले के कांग्रेस नेता भले ही भ्रष्टाचार और अनियमितता के लिए सड़कों पर उतरने की मीडिया हेडलाइन देते रहे लेकिन हकीकत में आबूरोड कांग्रेस के जिम्मेदार पदों को हथियाय नेता ऐसा करना नहीं चाहते या फिर बड़े नेता ये दावे सिर्फहेडलाइन के लिए करते दिखते हैं। कांग्रेस और भाजपा के अलावा आम जनता के मानना है कि जिले में सिर्फ सिरोही और शिवगंज नगर पालिका ही ऐसी नजर आती है जहां पर भाजपा और कांग्रेस के बीच की लकीर साफ नजर आती है बाकी जगह ये दोनों एक ही रंग में रंगे नजर आते हैं।

फिर विधायक को क्यों रहती है शिकायत:-यहां पर बीस साल बाद भाजपा के विधायक को हराकर अल्प मार्जिन से कांग्रेस के विधायक जीते। आबूरोड में भी उन्हें जो थोड़े बहुत पहले से 'यादा वोट मिले उसकी वजह उनकी मुखरता थी। लेकिनए विधायक मोतीराम कोली हमेशा इसी दर्द के मारे रहे कि उनकी विधानसभा के अन्य इलाकों से समेत आबूरोड में भी प्रशासन उन्हें समुचित सम्मान नहीं देता। उसकी एक वजह ये भी हो सकती है कि वो खुद भी जनता के हित में खड़े होकर यहां पर कभी जननेता होने का संदेश नहीं दे पाए। ऐसे में वो प्रशासन द्वारा उद्घाटनों के शिलालेख में उनका नाम नहीं देने और आबूरोड हवाई पट्टी में आने वाले वीआईपी से मिलने नहीं देने को शिकायतें करते हुए नजर आते हैं। दो-तीन बार यहां पर जनसमस्याओं को लेकर धरने भी हुए। वो भी कांग्रेस के नेताओं ने ही दिए। लेकिन विधायकए नगर पालिका के कई पार्षद इसमें आए ही नहीं। कांग्रेस के एकाध पार्षद भले ही किसी भी कारण से नगर पालिका में भाजपा बोर्ड में व्याप्त भ्रष्टाचार पर मुखर नजर आ रहे हैं लेकिन उनको कभी भी नगर संगठन ने आकर ज्ञापनों से आगे जाकर धरने प्रदर्शन करने को लेकर सहयोग नहीं दिया। कांग्रेस जिला नेतृत्व के हाल तो इतने बुरे हैं कि वो अपने द्वारा बुलवाए हुए प्रदर्शन के लिए प्रशासन से अनुमति तक नहीं ले पाते और न ही उसमें पहुंचते पाते हैं। पूर्व जिलाध्यक्षों के समय जिला कांग्रेस के ऐसे हाल नहीं थेए भले लोग कम आएं लेकिन राष्ट्रीय और प्रदेश संगठन के दिए कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से जरूर होते थे।

रूसी कैंसर वैक्सीन उपयोग के लिए तैयार

मास्को। कैंसर के इलाज के लिए रूस के वैज्ञानिकों की बनाई कैंसर वैक्सीन उपयोग के लिए तैयार हो गई है। इस दवा को अब केवल रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय से अनुमोदन की प्रतीक्षा है।रशिया टुडे में कहा गया है कि यह वैक्सीन कैंसर के रोगियों के लिए आशा की नई किरण बन कर उभरी है। इस दवा ने अपने शुरुआती परीक्षणों में कैंसर में बनने वाली रसौली के आकार और वृद्धि को 80 फीसदी तक कम कर दिया है।

रूस की फेडरल मेडिकल. बायोलॉजिकल एजेंसी की प्रमुख वेरोनिका स्क्रोत्सोवा के अनुसार इस नव.विकसित कैंसर वैक्सीन ने शुरुआती परीक्षणों में शानदार परिणाम दिया है और अब यह बाजार में उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सरकार की तरफ से हरी झंडी मिलने के बाद इसे रोगियों को दिया जा सकेगा।दवा विकसित करने वाले वैज्ञानिकों ने बताया

कि बीते तीन साल से इस दवा के परीक्षण किए जा रहे थे। इन परीक्षणों में काफी बेहतर परिणाम सामने आए हैं। इसके शुरुआती उपयोग कोलोरेक्टल कैंसर के लिए किया जाएगा इसके बाद ग्लियोब्लास्टोमा और मेलेनोमा के लिए टीके लगाए जाएंगे। स्क्रोत्सोवा ने कहा कि टीके की सुरक्षा इसके बार-बार इस्तेमाल सहित और इसकी उच्च दक्षता की परख की जा चुकी है। इस दवा ने ट्यूमर के आकार में कमी की है और साथ ही ट्यूमर के विकास को रोकने में मदद की है। कुछ प्रकार के कैंसर में इसका प्रभाव 60.80 प्रतिशत तक पहुंच गया। अध्ययनों से यह भी पता चला है कि इससे रोगियों के जीवित रहने की दर बढ़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार से इजाजत के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय को दस्तावेज़ जमा कर दिए गए हैं। हमारी ओर से टीका इस्तेमाल के लिए तैयार है और अब अनुमति की प्रतीक्षा है। दवा को बनाने वाले गामालेया रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी के अनुसार यह दवा एक एमआरएन आधारित वैक्सीन है। यह कैंसर कोशिकाओं पर हमला करने के लिए रोगी की प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रशिक्षित करने के लिए एआई का उपयोग करती है। इस संस्थान ने रूस की कोविड-19 वैक्सीन स्पुतनिक भी विकसित की थी और वर्तमान में इसकी तकनीक पर ही एचआईवी वैक्सीन पर काम कर रहा है।

लाल क़िले के पास जैन समाज के समारोह से एक करोड़ रुपए के कलश की चोरी के मामले में आरोपी अरेस्ट

नई दिल्ली। राजधानी में लाल क़िले के पास आयोजित जैन समाज के समारोह के दौरान हुई एक करोड़ रुपये मूल्य के कलश की चोरी के मामले में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के हापुड़ निवासी भूषण वर्मा के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जैन समाज का यह समारोह 31

अगस्त से आठ सितम्बर तक आयोजित किया गया था। इस समारोह में दो सितम्बर को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शामिल हुए थे।

उसी दिन भारी भीड़ का फायदा उठाकर आरोपी ने वहां से कीमती कलश चोरी कर लिया था। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के संयुक्त पुलिस आयुक्त सुरेन्द्र कुमार ने सोमवार को बताया कि चोरी हुआ कलश क़रीब एक करोड़ रुपये का है।उन्होंने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए अपराध शाखा ने विशेष टीम बनाकर जांच शुरू की और गाज़ियाबाद तथा हापुड़ में लगातार तलाश अभियान चलाये। इसी दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि भूषण वर्मा से पूछताछ जारी है और जल्द ही चोरी हुए कलश की बरामदगी की जाएगी।

जापान के सत्ताधारी दल में प्रधानमंत्री पद के लिए घमासान

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के पद से इस्तीफा देते ही जापान के

सत्ताधारी दल लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी;एलडीपी में प्रधानमंत्री पद के लिए घमासान शुरू हो गया है। पूर्व विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने सोमवार को इस पद के लिए अपना इरादा जाहिर करते हुए कहा कि वह अपना सारा राजनीतिक अनुभव देश और पार्टी के सेवा के लिए समर्पित करने हेतु कृत.संकल्प हैं। क्योदो न्यूज ने पार्टी सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि मंत्रिमंडलीय मुख्य सचिव योशिमासा हयाशी ने भी इस पद की उम्मीदवारी के लिए दावा किया है। रिपोर्ट के अनुसार एलडीपी मंगलवार को चुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया का निर्धारण करेगी।उल्लेखनीय है कि मोतेगी और श्री हयाशी दोनों ने पिछली बार भी प्रधानमंत्री पद के लिए दावेदारी की थी। मोतेगी एलडीपी पॉलिसी प्रमुख के रूप में भी काम कर चुके हैं। इन दो दिग्गजों के अलावा अन्य संभावित दावेदारों में पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची और कृषि मंत्री शिंजिरो कोइज़ुमी भी शामिल हैं। इशिबा ने रविवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे की घोषणा की थी क्योंकि जुलाई में उच्च सदन हाउस ऑफकाउंसिलर्स में पार्टी की हार के बाद से प्रधानमंत्री पर हार की जिम्मेदारी लेने और पद से इस्तीफा देने की लगातार मांग हो रही थी। उल्लेखनीय है कि 2024 में पार्टी को संसद के निचले सदन में भी हार का सामना करना पड़ा था इसलिए अब उच्च सदन में हार के बाद पार्टी दोनों सदनों में अल्पमत में आ गई है। 1955 में एलडीपी के गठन के बाद से यह पहली बार हुआ है कि पार्टी दोनों सदनों में अल्पमत है।

मनमोहन सिंह को मरणोपरांत नरसिम्हा राव स्मृति सम्मान

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के नाम पर बने पीवी नरसिम्हा राव

मेमोरियल फाउंडेशन ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को आर्थिक क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान के लिए मरणोपरांत सम्मानित किया है। प्रतिष्ठान के महासचिव एम अनिल कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह सम्मान डॉ सिंह की पत्नी गुरशरण कौर को शनिवार को यहां मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित उनके आवास पर उन्हें सौंपा गया। पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के नाम पर दिए जा रहे इस सम्मान को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने संदेश में खुशी जताई और कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव एवं डॉ सिंह ने देश को उदार आर्थिक व्यवस्था में लाने की पहल की जिससे देश ने तेजी से आर्थिक तरक्की की राह पकड़ी। उन्होंने डॉ सिंह को मरणोपरांत यह सम्मान दिए जाने पर खुशी व्यक्त की।कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने भी डॉ सिंह को यह सम्मान दिए जाने पर खुशी व्यक्त की।

ऑडी इंडिया ने 7.8 लाख तक घटाए वाहनों के दाम

नई दिल्ली। लग्जरी यात्री वाहन निर्माता कंपनी ऑडी इंडिया ने सोमवार को अपनी

कारों की कमीतों में 2.6 लाख से 7.8 लाख रुपए तक की कटौती की घोषणा की।कंपनी ने एक बयान में बताया कि वस्तु एवं सेवा कर जीएसटी सुधारों के बाद उसका फायदों ग्राहकों को देते हुए दाम कम किए हैं। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि जीएसटी को सरल बनाने के उपाय सही दिशा में उठाए गए कदम हैं। इससे वाहन उद्योग को बढ़ने में और कंपनी को बाजार के विस्तार में मदद मिलेगी।उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों पर कम जीएसटी की दर बनाए रखने के जीएसटी परिषद के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे कारोबारी परिवेश में स्थिरता आती है। इससे पहले टाटा मोटर्स रेनॉ इंडिया और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने भी जीएसटी सुधारों के मद्देनजर कीमतों में कटौती की घोषणा की थी।

फरीदाबाद के एक फ्लैट में एसी में धमाका तीन की मौत

फरीदाबाद। राष्ट्रीय राजधानी से सटे हरियाणा के फरीदाबाद में रविवार देर रात

सूरजकुंड थाना क्षेत्र की ग्रीन फील्ड कॉलोनी स्थित एक फ्लैट में एसी फटने से आग लगने से शेयर कारोबारी सचिन कपूरए उनकी पत्नी रिंकू और बेटी सुजान की मौत हो गयी। जबकि बेटा आर्यन दूसरी मंजिल से कूदकर किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहा। हादसे में परिवार का पालतू कुत्ता भी मारा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार देर रात अचानक जोरदार धमाका हुआ और इसके बाद कपूर परिवार के फ्लैट से आग और धुआं निकलने लगा। चंद ही मिनटों में पूरा कमरा धुएं से भर गया जिसके कारण अंदर मौजूद लोगों का दम घुटने से मौत हो गयी। स्थानीय लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दीए लेकिन जब तक राहत दल पहुंचाए तब तक तीनों की जान जा चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से एसी में धमाका होने की आशंका जताई है। हालांकि वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है।यह हादसा पूरे इलाके के लिए एक गहरी त्रासदी बन गया है। लोकप्रिय और मिलनसार माने जाने वाले कपूर परिवार की अचानक मौत से मोहल्ले में शोक और स्तब्धता का माहौल है।

कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस में रेलवे परोस रहा है स्थानीय व्यंजन

जम्मू। जम्मू.कश्मीर की समृद्ध पाक.विरासत को बढ़ावा देने के लिए रेलवे ने आईआरसीटीसी के साथ मिलकर रविवार से कटरा श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस में प्रामाणिक स्थानीय शाकाहारी व्यंजन परोसना शुरू कर दिया है। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि इस अनूठी पहल को सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय रेलवे और आईआरसीटीसी वंदे भारत ट्रेन में नाश्ते और अपराह्न के भोजन के दौरान यात्रियों के लिए पारंपरिक स्थानीय व्यंजन तैयार करेंगे और परोसेंगे।कटरा स्टेशन पर यात्रियों के आगमन पर शनिवार को उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्हें नए स्थानीय व्यंजनों से परिचित कराया गया। उन्होंने कहा कि इस पहल को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। ज्यादातर लोगों ने स्थानीय मेनू को चुना और खाने की गुणवत्ता और स्वाद की तारीफ़ की।इस पहल पर बोलते हुए आईआरसीटीसी के अध्यक्ष हरजोत सिंह संधू ने कहा कि इस सुविधा का उद्देश्य कश्मीर घाटी में यात्रियों को एक प्रामाणिक और यादगार यात्रा अनुभव प्रदान करना है जिससे उन्हें अपने गंतव्य स्टेशन से पहले ही जायके का आनंद लेने का सही मौका मिले।पारंपरिक भोजन पसंद करने वाले यात्रियों के लिए नए क्षेत्रीय मेनू में उपमा, पोहा और शाकाहारी कटलेट जैसे विकल्प भी उपलब्ध होंगे। यह पहल भारतीय रेलवे द्वारा भारत की पाक कला का जश्न मनाने और यात्रियों को स्थानीय संस्कृति से जोड़कर यात्रा अनुभव प्रदान करने के व्यापक प्रयास को दर्शाती है।

डीग में मकान ढहने से दो बच्चों की मौत तीन अन्य घायल

डीग। राजस्थान में डीग जिले के कामां उपखंड के डुबोकर गांव में रविवार देर रात दो मंजिला मकान के अचानक ढह जाने से मलबे में दबकर दो बच्चों की मौत हो गईए जबकि चार अन्य घायल हो गए।पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मृतकों के पिता शमीम मेव रोज़गार के सिलसिले में हैदराबाद गए हैं। घर पर उनकी पत्नी आयशा मेव अपने पांच बच्चों के साथ सो रही थी। रात को अचानक दो मंजिला मकान भरभराकर गिर पड़ा।मलबे में दबे छह लोगों में से दो मासूमों की मौत हो गईए जबकि चार अन्य घायल हो गए। घायलों को कामां अस्पताल में भर्ती कराया गयाए जहां से उन्हें भरतपुर भेज दिया गया है। मृतकों की पहचान जारा मेव ,पांच और सैफ17 के रूप में हुई है।

सवाई माधोपुर में विद्यालय भवन का बड़ा हिस्सा ढहा

सवाई माधोपुर। राजस्थान में सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा तहसील में ऐचेर में सोमवार को एक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का बड़ा और अन्य हिस्सा भरभराकर गिर गया। विद्यालय खुलने से पहले यह घटना होने से किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ।विद्यालय की प्रधानाचार्य कविता ने बताया कि उन्होंने क्षतिग्रस्त भवन को लेकर शिक्षा विभाग को अवगत करा दिया था जिसके बाद इसे जर्जर घोषित कर दिया गया था। साथ ही इस भवन को जमींदोज करने के आदेश भी जारी किए जा चुके हैं लेकिन कार्रवाई से पहले ही यह घटना घटित हो गई।सूत्रों ने बताया कि हालांकि भरभराकर गिरे विद्यालय भवन के इस हिस्से में विद्यार्थियों को नहीं बिठाया जाता है फिर भी विद्यालय के शैक्षणिक काल में यह घटना होती तो बड़ा हादसा हो सकता था क्योंकि मना करने के बावजूद भी कई बार बच्चे उसमें चले जाते हैं। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों ने बताया कि सरकारी विद्यालय के 10 कमरे एवं बरामदा काफी वर्षों से क्षतिग्रस्त है लेकिन फिर भी बालक खेलने एवं अन्य गतिविधियों के लिए इनके नीचे जाया करते थे। विभाग ने इस भवन को गिराए जाने के निर्देश तो जारी कर दिएए लेकिन इस पर अमल नहीं हुआ।

National Nutrition Week: Discover Indian cafes that serve healthy treats loaded with deliciousness

Be it millets, plant-based goodies or farm-to-table goodness, these cafes are delivering creative, nourishing, and consciously curated dishesThe 'Millet Man of India' Khadar Vali recently made a surprising statement about millets at a seminar in Kozhikode at the Centre for Water Resources Development and Management (CWRDM), the research and development instituted by the Govt. of Kerala. In his address, he stated that one bowl of rice or wheat was equivalent to one bowl of sugar, whereas millet-based food habits could prevent or cure 80% of diseases. He also pointed out that there are over 240 varieties of millets that most of us remain unaware of.Across the world, a sedentary lifestyle and increasing obesity due to excessive caloric intake has led to discussions about nutrition, clean eating as well as natural foods such as fruits, vegetables, lean proteins, and whole grains. Expanding this conversation are three proudly Indian cafes that specialise in nutrient-dense, preservatives and additives free foods that support holistic well-being.

Millets Café, Raigarh:The Millet Cafe in Raigarh, Chhattisgarh is a path breaking initiative by Shri Bhim Singh, the former Collector of Raigarh, in collaboration with the development design organisation, Transform Rural India (TRI). Since its inception in May 2022, the cafe has substantially expanded not only awareness of the nutritional benefits of this 'hero grain' but also augmented its consumption. The menu on offer is not staid or dull but diverse, delicious, fresh and brimming with the goodness of millets and Ragi. The cafe established as part of the "Bajra Mission" to mainstream millets as the superfood of choice is now bustling with visitors who relish dishes like millets cheela, crisp dosas, succulent momos, pizzas, manchurian offerings, and Kodo Biryani which is a healthy, gluten-free dish made from kodo millet and a variety of spices, vegetables, and herbs. The bottom line? Millets are not only earning rave reviews here but also reaping considerable profit while demonstrating that healthy food choices need not be uninteresting!

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दिए राहत पहुंचाने के निर्देश

अजमेर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को अजमेर प्रवास के दौरान सर्किट हाऊस में अधिकारियों के साथ अतिवृष्टि राहत एवं बचाव कार्य सहायता तथा गिरदावरी के संबंध में कार्यों की समीक्षा की। कलक्टर लोक बन्धु ने विभिन्न कार्यों की जानकारी दी।

प्रभारी मंत्री एवं उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि अतिवृष्टि से प्रभावित व्यक्तियों को तुरंत राहत पहुंचा जाना चाहिए। जिले में अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त परिसम्पतियों की तात्कालिक मरम्मत एवं पुनरूत्थान के कार्य मौसम ठीक होते ही करवाएं। जर्जर एवं असुरक्षित संरचनाओं का उपयोग लेने से बचा जाना चाहिए। बारिश से क्षतिग्रस्त समस्त सड़कें दिपावली से पूर्व मरम्मत होनी चाहिए। इसकी उपखण्ड स्तर से मॉनिटिरिंग हों। व्यक्तिगत सम्पति में हुए नुकसान से राहत एसडीआरएफ रिलीफ के नियमानुसार प्रदान करने के लिए प्रस्ताव बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि जिले में अतिवृष्टि के कारण किसी प्रकार की पशु हानि मकान क्षति एवं जनहानि के संबंध में सर्वे के उपरांत सहायता के लिए पोर्टल पर तत्काल आवेदन करवाएं। विभिन्न जल स्त्रोतों से सुरक्षित जल निकासी सुनिश्चित की जानी चाहिए। बांधों की मजबूती पर लगातार नजर रखी जानी चाहिए। अजमेर शहर के मास्टर ड्रेनेज प्लान पर भी चर्चा की गई।उन्होंने कहा कि फसलों की गिरदावरी के साथ.साथ फसलों के खराबे का आंकलन भी किया जाना चाहिए। यह कार्य आगामी 10 दिवस में पूर्ण करने का प्रयास करें। इससे पीड़ित व्यक्तियों को समय पर राहत मिल सकेगी। इसी प्रकार डिजीटल क्रॉप सर्वे भी समय पर करवाएं। पंच गौरव के संबंध में किए जा रहे कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। सरकार पंच गौरव के माध्यम से प्रत्येक जिले को नई पहचान देना चाहती है।

बोराज के स्वास्तिक नगर में प्रशासन ने पहुंचाई भरपूर सहायता

अतिवृष्टि से आई प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रशासन द्वारा बोराज के स्वास्तिक नगर में भरपूर सहायता उपलब्ध करवाई गई। कलक्टर लोक बन्धु ने बताया कि अत्यधिक बारिश के कारण बोराज तालाब की पाल क्षतिग्रस्त होने से स्वास्तिक नगर में उत्पन्न विषम परिस्थितियों के दौरान प्रशासन द्वारा भरपूर सहायता उपलब्ध करवाई गई।इस दौरान प्रत्येक प्रभावित परिवार एवं व्यक्ति के साथ प्रशासन के द्वारा गठित दल खड़े रहे। उन्हें यथासंभव बचाव एवं राहत पहुंचाई गई। इसके परिणामस्वरूप इस प्राकृतिक आपदा से उभर कर जनजीवन सामान्य होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ये राहत कार्य निरंतर जारी रहेंगे और जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती तब तक प्रभावित परिवारों को आवश्यक सामग्री पहुँचाई जाती रहेगी। उन्होंने बताया कि प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन एवं अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा बड़े पैमाने पर खाद्य सामग्री और पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। रसद विभाग द्वारा अजमेर विकास प्राधिकरण व सिविल डिफेंस के लोगों की मदद से इस खाद्य सामग्री का वितरण सुनिश्चित किया गया।

पिछले तीन दिनों से चल रहे राहत कार्यों के तहत प्रभावित परिवारों को घर.घर जाकर आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस दौरान 11 हजार फूड पैकेटए दूध के 3 हजार 300 पैकेट, 1500 ब्रेड पैकेट, 6 हजार कप चाय, 5 हजार पैकेट बिस्कुट ड्राई फूड के 300 पैकेट।000 केल, 1800 पानी के कैन, 3000 छोटी.बड़ी पानी की बोतलें 10 टैंकर पेयजल 1000 रजाई एवं गद्दे का वितरण किया गया। अरिहंत कॉलोनी में भी 50 फूड के पैकेट बंटवाए गए। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त राहत एवं बचाव कार्यों के तहत 4 जेसीबी, 2 डंपर, 10 ट्रैक्टर एवं 40 श्रमिकों की सहायता से मिट्टी एवं मलबे की सफाई की गई। पानी के तेज बहाव को रोकने के लिए 8 हजार मिट्टी के कट्टे डाले गए। विद्युत आपूर्ति बहाल करने के लिए जनरेटर की व्यवस्था की गई। स्थानीय निवासियों ने बताया कि समय पर भोजन और पेयजल की आपूर्ति से उन्हें बड़ी राहत मिली है। विशेष रूप से बच्चों एवं बुजुर्गों के लिए दूध चाय और बिस्कुट की उपलब्धता बेहद सहायक सिद्ध हुई है।

जलभराव के बाद प्रभावित क्षेत्र में एक किलोमीटर पैदल चल कर पीड़ितो के पास पहुंची उपमुख्यमंत्री

◆ घर-घर जाकर जाने जलभराव क्षेत्र के हाल ◆ जन जन की सुनी पीड़ा, स्वास्तिक कॉलोनी व अन्य कॉलोनियों में हुए नुकसान का होगा सर्वे

अजमेर। अजमेर के बोराज तालाब की पाल टूटने से जलभराव के बाद जिले की प्रभारी मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सोमवार को स्वयं पीड़ितों के बीच पहुंची। वे करीब एक किलोमीटर तक पैदल चलकर जलभराव के बाद प्रभावित क्षेत्र, कॉलोनी, पाल, खेत व आसपास के इलाके में पहुंची।उन्होंने पीड़ित परिवारों से बात की और जल्द मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने अनेक घरों को स्वयं अन्दर जाकर देखा। नुकसान पीड़ितों को क्षति की भरपाई शीघ्र करने को आश्वस्त कर ढांढस बंधाया। क्षेत्र में सर्वे के अनुसार परिवारों को मुआवजा दिलाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने तालाब की पाल टूटने से जलभराव के पश्चात स्वास्तिक नगर में हुई क्षति का कलक्टर लोकबंधुए पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा एवं एडीए व नगर निगम के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को पूरी सतर्कता के साथ राहत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बोराज तालाब की पाल टूटने से स्वास्तिक नगर सहित आसपास की कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति बनी थी। इसके चलते भवनों एवं संपत्तियों को हुए नुकसान का सर्वे कराया गया है। प्रशासन द्वारा गुरूवार रात्रि से ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। जलभराव वाले क्षेत्रों से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। उनके लिए भोजन, पानी, दवा एवं ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।उन्होंने कहा कि अधिकारियों को हर संभव सहयोग प्रदान करने को निर्देशित किया है। प्रभावित व्यक्तियों के नुकसान का सर्वे कर मुआवजा एवं नियमानुसार क्षतिपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा तालाब के पास जल बहाव और जलभराव के पश्चात क्षेत्र से निवासियों को सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीकी राजकीय विद्यालय में बनाए आश्रय स्थल पर भेजा गया था।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित क्षेत्र का विस्तृत सर्वे अनुसार त्वरित क्षति पूर्ति की जाए। जल निकासी के पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित किए जाए। साथ ही तालाब की पाल के पुनर्निर्माण और भविष्य में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए पुख्ता जल निकासी व्यवस्था भी की जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा पश्चात तालाब की पाल की मरम्मत कराई जाएगी और प्रभावितों को नियमानुसार क्षति के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार प्रभावित परिवारों के साथ है। उन्हें हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। पूरे राजस्थान में अप्रत्याशित रूप से बारिश हुई है। इसे देखते हुए शहरों के ड्रेनेज सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से सुदृढ किया जाएगा। अजमेर में प्रशासन के द्वारा तत्परता से कार्य किया गया। इससे जनहानि से बचा जा सका।उनके साथ देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओम प्रकाश भडाणा, कलक्टर लोक बंधु, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा, अजमेर विकास प्राधिकरण की आयुक्त श्रीमती नित्य के, नगर निगम आयुक्त देशल दान, उपखंड अधिकारी गरिमा नरूला उपस्थित थे।

पटाखों की बिक्री के लिए अस्थाई अनुज्ञा पत्रों के लिए मांगे आवेदन

अजमेर। आतिशबाजी विक्रय के अस्थाई अनुज्ञा पत्र जारी करने के लिए आवेदन मांगे गए है। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि आगामी दीपावली त्यौहार के अवसर पर अजमेर जिले में विस्फोटक नियम.2008 के अन्तर्गत केवल ग्रीन आतिशबाजी पटाखों की बिक्री के लिए अस्थाई अनुज्ञा पत्र जारी किए जाएंगे।

अस्थाई अनुज्ञा पत्र के लिए इच्छुक व्यक्तियों के आवेदन पत्र निर्धारित प्रपत्र में आमंत्रित किए गए हैं। आवेदक शुक्रवार 12 सितम्बर तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र पर दो रूपए का कोर्ट फीस स्टॉम्प लगाना होगा। आवेदन पत्र के साथ 50 रूपए के नॉन.ज्यूडिशियल स्टॉम्प पर शपथ पत्र नोटेरी पब्लिक से प्रमाणित करवाकर संलग्न किया जाएगा। शपथ पत्र का प्रारूप आवेदन पत्र के साथ उपलब्ध होगा।आवेदन पत्र दो प्रतियों में पूर्ण एवं स्पष्ट रूप से भरकर प्रस्तावित व्यापार स्थल के स्पष्ट साईट प्लान जिसमें व्यवसाय स्थल के चारों ओर की स्थिति दर्शाई हुई हो एवं पूर्ण पता मय हस्ताक्षरशुदा एवं अग्निशमन यंत्र भरा होने की रसीद के साथ प्रस्तुत करना होगा। गत वर्षों में यदि अस्थाई अनुज्ञा पत्र जारी किया गया हो तो उसकी फोटोप्रतियां संलग्न की जाए। अनुज्ञा पत्र की शर्तों के अलावा जन सुरक्षा की दृष्टि से विस्फोटक सामग्री या विस्फोटक पदार्थ की एक दुकान से दूसरी दुकान की दूरी कम से कम 15 मीटर की होना आवश्यक है। आवेदन पत्र https://ajmer.rajasthan.gov.in से एई.5 प्रारूप में फार्म प्राप्त किया जाकर आवेदन पत्र पूर्ण रूप से भरकर सम्बन्धित उपखण्ड कार्यालय तथा अजमेर शहर के लिए अतिरिक्त कलक्टर सिटी कार्यालय में शुक्रवार 12 सितम्बर तक प्रस्तुत किए जा सकेंगे।

करौली के कैलादेवी मंदिर में लक्खी मेला 22 सितम्बर से

करौली। देशभर में आस्था की प्रतीक राजस्थान में करौली के कैलादेवी मंदिर में शारदीय नवरात्र पर लक्खी मेला 22 सितंबर से एक अक्टूबर तक आयोजित होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेले में विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना के मद्देनजर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने कलेक्ट्रेट सभागार में मेला तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए समय पर सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए हैं।पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने मेले के दौरान आवश्यकतानुसार पुलिस जाप्ता लगानेए सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था करने, होमगाड, यातायात व्यवस्था के साथ अवांछित गतिविधियों पर रोकथाम के लिए पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)